DAINIK JAGRAN (23.08.2016)

अक्षय ऊर्जा पर कार्यशाला की शुरुआत

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। जागरण

जासं, फरीदाबाद: वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की ओर से 'अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला की शुरुआत कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप जलाकर की।

मुख्य वक्ता विज्ञान प्रसार की विज्ञान संचार प्रशिक्षण शाखा में डिविजन हेड साइंटिस्ट-'एफ' डॉ. टीएन वेंकटेश्वरन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ मुनीष रहे। कार्यशाला का संचालन रश्मी चावला ने किया। कार्यशाला में डॉ. वेंकटेश्वरन ने कहा कि आधुनिक विज्ञान पौराणिक धारणाओं की तुलना में अधिक जांचा और परखा गया विज्ञान है, जिसमें उन्हीं धारणों को मान्यता दी जाती है, जोकि वैज्ञानिक परीक्षणों पर खरी उतरती है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अक्षय ऊर्जा के उपकरणों पर आधारित इस छह दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले उपकरण बनाना सीखेंगे और इस दौरान बनाई जाने वाली सोलर लालटेन विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों को दी जायेंगी। इस तरह से विद्यार्थियों को सीखने का अवसर मिलेगा और उनके बनाए उपकरणों का उपयोग भी सुनिश्चित होगा।

AMAR UJALA (23.08.2016)

'विज्ञान में अनुमानों से आगे निकलकर काम करें'

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सोमवार को अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्त संस्था विज्ञान प्रसार के सहयोग से आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता विज्ञान प्रसार की विज्ञान संचार प्रशिक्षण शाखा में डिविजन हेड साइंटिस्ट डॉ. टीएन वेंकटेश्वरन रहे। डॉ. वेंकटेश्वरन ने विद्यार्थियों को विज्ञान में अनुमानों और अवधारणाओं से आगे निकलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान पौराणिक धारणाओं की तुलना में अधिक जांचा और परखा गया विज्ञान है, जिसमें उन्हीं धारणों को मान्यता दी जाती है जोकि वैज्ञानिक परीक्षणों पर खरी उतरती है। इस संदर्भ में उन्होंने अरस्तु और आर्यभट्ट द्वारा पृथ्वी के आकार को लेकर दी गई टिप्पणियों का भी जिक्र किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. मुनीष वशिष्ठ ने की।

DAINIK BHASKAR (23.08.2016)

सेमिनार अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ, वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने कहा

छात्र विज्ञान से आगे निकलकर अनुसंधान करें

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि छात्रों को किताबों और वैज्ञानिक अनुमानों पर आधारित विज्ञान से आगे निकलकर अनुसंधान कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को समझने के लिए प्रायोगिक अनुभव की सबसे ज्यादा अहमियत होती है। प्रो. कुमार ने अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला वाईएमसीए साइंस एंड टेक्नालॉजी यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्त संस्था विज्ञान प्रसार के सहयोग से की गई थी।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता विज्ञान प्रसार की विज्ञान संचार प्रशिक्षण शाखा के डा. टीएन वेंकटेश्वरन थे। उन्होंने छात्रों को विज्ञान में अनुमानों और अवधारणाओं से आगे निकलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. कुमार ने कहा कि आधुनिक विज्ञान पौराणिक धारणाओं की तुलना में अधिक जांचा और परखा गया विज्ञान है। इसमें उन्हीं धारणाओं को मान्यता दी जाता है, जो वैज्ञानिक परीक्षणों पर खरी उतरती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने अरस्तु और आर्यभट्ट द्वारा पृथ्वी के आकार को लेकर दी गई टिप्पणियों का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा अक्षय ऊर्जा के उपकरणों पर आधारित इस छह दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले उपकरण बनाना सीखेंगे। इस दौरान बनाई जाने वाली सोलर लालटेन यूनिवर्सिटी द्वारा गोद लिए गांवों को दी जाएंगी। इस तरह से छात्रों को सीखने का अवसर मिलेगा। कुलसचिव डा. संजय कुमार ने कहा कि पारंपरिक ईंधन का भण्डार निरंतर कम हो रहा है। जो पर्यावरण के लिए भी अनुकूल नहीं है। ऐसे में अक्षय ऊर्जा न सिर्फ समय की मांग है। बल्कि दीर्घकालीन समाधान भी है। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े छात्रों को अक्षय ऊर्जा विकल्पों पर अधिक से अधिक काम करना चाहिए।

फरीदाबाद. कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

PUNJAB KESARI (23.08.2016)

वैज्ञानिक अनुमानों और धारणाओं से भी आगे है वास्तविक विज्ञान : डॉ वेंकटेश्वरन

■ 'अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता' विषय 6 दिवसीय कार्यशाला शुरू

फरीदाबाद, 22 अगस्त (सूरजमल) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्त संस्था- विज्ञान प्रसार के सहयोग से 'अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन द्वारा किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता विज्ञान प्रसार की विज्ञान संचार प्रशिक्षण शाखा में डिविजन हेड साइंटिस्ट-'एफ' डॉ टी.एन. वेंकटेश्वरन रहे। इस अवसर पर कुल सचिव डा. संजय कुमार शर्मा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. मुनीष वशिष्ठ भी उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन रश्मि चावला द्वारा किया जा रहा है। डा. वेंकटेश्वरन ने मुख्य संबोधन में विद्यार्थियों को विज्ञान में अनुमानों और अवधारणाओं से आगे निकलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान पौराणिक धारणाओं की तुलना में अधिक जांचा और परखा गया विज्ञान है, जिसमें उन्हीं धारणों को मान्यता दी जाता है जोकि वैज्ञानिक परीक्षणों पर खरी उतरती है। इस संदर्भ में उन्होंने अरस्तु और आर्यभट्ट द्वारा पृथ्वी के आकार को लेकर दी गई टिप्पणियों को जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किताबों और वैज्ञानिक अनुमानों पर आधारित विज्ञान से आगे निकलकर अनुसंधान कार्य करने चाहिए। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को समझने के लिए प्रायोगिक अनुभव की सबसे ज्यादा अहमियत होती है और वाईएमसीए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की व्यावहारिक शिक्षा पर अधिक बल दिया जाता है जोकि इस संस्थान को अन्य शिक्षण संस्थानों से बनाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुल सचिव डा. संजय कुमार ने कहा कि पारंपरिक ईंधन का भण्डार निरंतर कम हो रहा है जोकि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल नहीं है।

कार्यशाला में जानकारी देते हुए डा. वेंक्टेश्वरन।

PUNJAB KESARI (D) (23.08.2016)

'अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता' विषय पर कार्यशाला

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा, ब्यूरोचीफ): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्त संस्था-विज्ञान प्रसार के सहयोग से 'अक्षय ऊर्जा में उन्नति एवं उद्यमिता' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का शुभारंभ आज कुलपति प्रो0 दिनेश कुमार ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन द्वारा किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता विज्ञान प्रसार की विज्ञान संचार प्रशिक्षण शाखा में डिविजन हेड: साइंटिस्ट-'एफ' डॉ0 टी0एन0 वेंकटेश्वरन रहे। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ0 संजय कुमार शर्मा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मुनीष वशिष्टि भी उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन रश्मी चावला द्वारा किया जा रहा है।

डॉ0 वेंकटेश्वरन ने मुख्य संबोधन में विद्यार्थियों को विज्ञान में अनुमानों और अवधारणाओं से आगे निकलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान पौराणिक धारणाओं की तुलना में अधिक जांचा और परखा गया विज्ञान है, जिसमें उन्हीं धारणों को मान्यता दी जाती है जोकि वैज्ञानिक परीक्षणों पर खरी उतरती है। इस संदर्भ में उन्होंने अरस्तु और आर्यभट्ट द्वारा पृथ्वी के आकार को लेकर दी गई टिप्पणियों को जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किताबों और वैज्ञानिक अनुमानों पर आधारित विज्ञान से आगे निकलकर अनुसंधान कार्य करने चाहिए।

अपनी अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो0 दिनेश कुमार ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को समझने के लिए प्रायोगिक अनुभव की सबसे ज्यादा अहमियत होती है और वाईएमसीए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की व्यवहारिक शिक्षा पर अधिक बल दिया जाता है जोकि इस संस्थान को अन्य शिक्षण संस्थानों से बनाता है। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा के उपकरणों पर आधारित इस छह दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले उपकरण बनाना सीखेंगे और इस दौरान बनाई जाने वाली सोलर लालटेन विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांवों को दी जायेंगी। इस तरह से विद्यार्थियों को सीखने का अवसर मिलेगा और उनके बनाए उपकरणों का उपयोग भी सुनिश्चित होगा।